राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 27 मई 2026
वर्ष 16, अंक 90, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बिना अनुमति चल रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंटों पर उठे गंभीर...03

त्विषा शर्मा मौत मामले में समर्थ सिंह को नहीं मिली राहत, हाई कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा...04

डॉक्टर मनोज शिरुरे हिरासत में और रडार पर आलोक मॉड्यूल

NEET पेपर लीक में CBI के हाथ अब तक क्या लगा?

देश भर में सुर्खियों में आए NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र कनेक्शन लगातार गहराता जा रहा है. CBI की जांच में अब नागपुर मॉड्यूल, कोचिंग नेटवर्क, करोड़ों की संपत्तियां और कथित हाई-प्रोफाइल रैकेट के कई चौंकाने वाले पहलू सामने आ रहे हैं. जांच एजेंसियों के मुताबिक, नागपुर का संदिग्ध आलोक इस पूरे नेटवर्क का विदर्भ का अहम चेहरा बनकर उभरा है. उधर, NEET पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र में एक और बड़ी कार्रवाई हुई है. सीबीआई ने डॉक्टर मनोज शिरुरे को पुणे से हिरासत में लिया है. मनोज पर लीक पेपर खरीदने का आरोप है. इससे पहले बुधवार को सीबीआई ने लातूर स्थित उनके अस्पताल में तीन घंटे पूछताछ की थी. बात करें आलोक की तो सीबीआई लगातार इससे पूछताछ कर रही है. नागपुर में सीबीआई की एक टीम है जबकि चंद्रपुर के ब्रह्मपुरी में भी सीबीआई की एक टीम ने तीन छात्रों से पूछताछ की, जिन्होंने इस साल नीट एग्जाम दिया है. सीबीआई को शक है कि आलोक और उसके नेटवर्क ने नागपुर, चंद्रपुर, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर के कई संपन्न परिवारों के छात्रों तक लीक प्रश्नपत्रिका पहुंचाई. अपना ये पूरा नेटवर्क आलोक गुरु नाम से चलता था.

लीग्राम पर गुरु नाम से ग्रुप

सूत्रों के अनुसार, आरोपी टेलीग्राम पर गुरु नाम से ग्रुप चलाता था. इसी प्लेटफॉर्म के जरिए प्रश्नपत्रिका की [illegible] फाइल शेयर की जाती थी. जांच एजेंसी का दावा है कि 10-10 छात्रों के समूह बनाकर पेपर पहुंचाया जाता था और इसके लिए 10 लाख से 15 लाख रुपये तक वसूले गए. सीबीआई को शक है कि इस नेटवर्क के जरिए सैकड़ों छात्रों तक पेपर पहुंचाया गया. हालांकि, कुल कितने छात्रों को ये लीक पेपर मिले इसका सही आंकड़ा सीबीआई पता लगा रही है लेकिन सूत्रों के अनुसार ये आंकड़ा 1 हजार के करीब हो सकता है क्योंकि आलोक के इस गुरु नाम के नेटवर्क में विदर्भ और मराठवाड़ा के कई कोचिंग क्लास, कई मेडिकल कॉलेज और स्टूडेंट्स एजेंट्स के रूप में जुड़े हुए थे. एजेंसी ने नागपुर और चंद्रपुर में आलोक नेटवर्क से जुड़े 6 छात्रों के घरों पर छापेमारी भी की है.

पुणे से राजस्थान तक पहुंचा पेपर

जांच में यह भी सामने आया है कि प्रश्नपत्रिका पुणे से गुरुग्राम के जरिए राजस्थान तक पहुंचाई गई. एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस रैकेट में और किन राज्यों के लोग शामिल थे. इस पूरे मामले का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला नाम शिवराज मोटेगांवकर का है. साल 2024 में NEET पेपर लीक के खिलाफ छात्रों की ओर से जनहित याचिका दायर करने वाले मोटेगांवकर को अब 2026 के पेपर लीक मामले में आरोपी बनाया गया है. मोटेगांवकर ने 2024 मैं नीट पेपर लीक को लेकर खूब आंदोलन किया था और आरोप है कि बाद में वो इसी पेपर लीक नेटवर्क से जुड़ गया और खुद पेपर लीक करने लगा. CBI के मुताबिक, मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से कथित लीक प्रश्नपत्रिका बरामद हुई है. इसके बाद उसका पुराना वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वो छात्रों के लिए न्याय की मांग करते नजर आ रहा है. जांच एजेंसियों का मानना है कि वन-ऑन-वन मेंटरिंग जैसे विशेष कोर्स की आड़ में चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्रिका पहुंचाई गई हो सकती है.

मोटेगांवकर के बेटे, पत्नी और डॉक्टरों से पूछताछ

मोटेगांवकर की गिरफ्तारी के बाद CBI ने उसके बेटे और पत्नी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. एजेंसी को शक है कि इस साल 12वीं की परीक्षा देने वाले उसके बेटे को भी पेपर लीक का फायदा मिला हो सकता है. इसके अलावा लातूर और नांदेड़ में चार डॉक्टरों से भी पूछताछ की जा रही है. आरोप है कि ये लोग मोटेगांवकर के करीबी थे और कथित तौर पर पेपर लीक नेटवर्क में मददगार की भूमिका निभा रहे थे. वहीं शिवराज मोटेगांवकर के RCC क्लासेस पर कार्रवाई तेज कर दी गई है. पुणे में आरसीसी कोचिंग क्लास के अवैध निर्माण पर पुणे मनपा ने कार्रवाई की है. लातूर में RCC क्लासेस के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया है. फीस जमा कर चुके छात्र और अभिभावक लगातार क्लासेस के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन संस्थान बंद है. कई जगह छात्रों और स्थानीय संगठनों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है. सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने भी आंदोलन की चेतावनी दी है. कुछ स्थानों पर RCC क्लासेस के बाहर अंडे फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं. जांच एजेंसियों के अनुसार, संस्थान के 7 कर्मचारी महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर फरार बताए जा रहे हैं. अब इस मामले में आर्थिक और निर्माण संबंधी अनियमितताओं की भी जांच शुरू हो गई है. पुणे में मोटेगांवकर के कोचिंग क्लासेस के कथित अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई की गई है, जबकि कुछ परिसरों को सील भी किया गया है. लातूर में RCC क्लासेस से जुड़े मेडिकल कॉलेज प्रोजेक्ट पर भी सवाल उठे हैं.

डॉक्टर मनोज शिरुरे पर क्या आरोप?

लातूर के बाल रोग विशेषज्ञ मनोज शिरुरे पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे के लिए कथित तौर पर लीक प्रश्नपत्रिका खरीदी थी. CBI इस एंगल से जांच कर रही है कि लाभार्थी छात्रों और उनके अभिभावकों की क्या भूमिका थी.सूत्रों के अनुसार, CBI ने पहले लातूर में उनके अस्पताल और अन्य ठिकानों पर पूछताछ की थी, जिसके बाद उन्हें पुणे से हिरासत में लिया गया. बताया जा रहा है कि इस मामले में यह पहली बार है जब किसी अभिभावक की गिरफ्तारी हुई है.इस पूरे मामले में शिवराज मोटेगांवकर और कथित नागपुर मॉड्यूल की भी जांच जारी है. [illegible] अब छात्रों, अभिभावकों, कोचिंग नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की कड़ियां जोड़ने में जुटी है.

दोस्त की हत्या का बदला, मां-बेटे का कत्ल...

24 घंटे में 6 मर्डर से दहला दिल्ली-NCR

दिल्ली-एनसीआर में बीते 24 घंटे में हत्या की कई सनसनीखेज वारदातें सामने आई हैं. कहीं मां-बेटे की हत्या हुई, तो कहीं संपत्ति विवाद और पुरानी रंजिश में खून बहा. नोएडा से लेकर रोहिणी और गोविंदपुरी तक हत्या की घटनाओं से सनसनी फैल गई. पिछले 24 घंटे में दिल्ली-एनसीआर में कम से कम 6 लोगों की हत्या की वारदात सामने आई है. दिल्ली, रोहिणी, गोविंदपुरी और ग्रेटर नोएडा समेत कई इलाकों में हुई इन घटनाओं के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है.

गोविंदपुरी में मां-बेटे की हत्या

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में देर रात घर में घुसकर मां और 13 वर्षीय बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी गईच. मृतकों की पहचान शारदा साहू और उनके बेटे कुशल के रूप में हुई है. घटना उस समय सामने आई जब मृतका का पति विष्णु साहू रात करीब 12:30 बजे घर लौटा.घर के अंदर दोनों के शव खून से लथपथ पड़े मिले. शवों पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे. पुलिस जांच में अलमारी से नकदी और जेवर गायब मिले हैं, जिससे लूट के इरादे से हत्या की आशंका जताई जा रही है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

रोहिणी में दो नाबालिगों की हत्या

रोहिणी जिले के अमन विहार इलाके में खूनी संघर्ष के दौरान दो नाबालिग किशोरों की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई. मृतकों की पहचान जॉनी और मयंक के रूप में हुई है. पुलिस ने मुख्य नाबालिग आरोपी को हिरासत में लेकर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है. पुलिस के मुताबिक मृतक जॉनी और मयंक अपने एक अन्य साथी दिनेश के साथ सुल्तानपुरी इलाके से अमन विहार गए थे. वह वहां रितेश नाम के एक युवक की तलाश में हथियार लेकर पहुंचे थे. कुछ समय पहले सुल्तानपुरी इलाके में एक हत्या हुई थी, जिसमें जॉनी और मयंक को शक था कि रितेश ने आरोपी आरोपियों को अपने घर छिपाया है. इसी का बदला लेने के लिए तीनों अमन विहार की गलियों में रितेश को ढूंढ रहे थे. इस दौरान महिला और उसे बेटे के विवाद हो गया, तो जॉनी ने अपने साथियों के साथ उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसके बाद आसपास ने उन्हें दौड़ा दिया. इस दौरान एक नाबालिक ने चाकू से दोनों की हत्या कर दी.

संपत्ति विवाद में चाचा की मौत

पश्चिमी दिल्ली के सुभाष प्लेस इलाके में संपत्ति विवाद को लेकर चाचा-भतीजे के बीच हिंसक झड़प हो गई. इस दौरान चाचा राजेश की मौत हो गई, जबकि भतीजा दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं घायल दीपक का इलाज चल रहा है. पुलिस के अनुसार पारिवारिक संपत्ति को लेकर दोनों में पहले से विवाद था. घटना सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र के जेजे कॉलोनी की है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

ग्रेटर नोएडा में युवक की गोली मारकर हत्या

ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के वैदपुरा गांव में ड्यूटी पर जा रहे युवक दीपक नागर की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. अभी हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है. मामले की जांच के लिए डीसीपी ने दो टीमों का गठन किया है.

संक्षिप्त ख़बरें

डीएम ने निर्माणाधीन उप निबन्धक कार्यालय बांसी का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निर्माणाधीन उपनिबन्धक कार्यालय, बांसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निर्माणाधीन भवन को देखा गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय में एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराये। इसके साथ ही थर्ड पार्टी सत्यापन कराने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपमहानिरीक्षक निबन्धक बस्ती मण्डल, बस्ती शशि भानु मिश्र, सहायक महानिरीक्षक निबन्धक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, उप निबन्धक बांसी राकेश राम व अन्य संबधित उपस्थित रहे।

आगरा में पारा 46 डिग्री पार, डीएम ने दिए भीषण गर्मी में जिले के सभी बोर्ड के स्कूलों में छुट्टी करने के आदेश

आगरा। जिले में बढ़ते तापमान और मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी हीट वेव एवं अत्यधिक गर्मी की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। डीएम मनीष बंसल के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने जिले के सभी राजकीय, सहायता प्राप्त, वित्तविहीन, परिषदीय व सभी बोर्ड (सीबीएसई, सीआईएससीई, यूपी बोर्ड, मदरसा बोर्ड आदि) से मान्यता प्राप्त स्कूलों में कक्षा एक से 12 तक के लिए एक सप्ताह का अवकाश घोषित किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्र शेख और जिला बेसिक शिक्षाधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड के आदेशानुसार 21 मई से आगामी एक सप्ताह तक कक्षाओं का संचालन पूर्ण रूप से स्थगित रहेगा। डीएम ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जारी आदेश में सभी स्कूलों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि किसी भी स्कूल में आदेश के बावजूद कक्षाएं संचालित पाई जाती हैं तो संबंधित संस्थान के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं विद्यालय प्रशासन की होगी।

कप्तानगंज में अभी भी बचे रह गए भ्रष्टाचार के गुरुघंटाल , चेले को ले गयी एंटीकरप्सन

» एडीओ पंचायत व सीडीपीओ कार्यालय की भूमिका सवालों के घेरे मेंसफाई कर्मचारी की गिरतारी, बीडीओ की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

» खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में भी जल्द धमकेगी एंटीकरप्सन टीमखण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात श्रीवास्तव भी नगर बाजार में बैठकर करते हैं कप्तानगंज व बहादुरपुर लाकों की वसूली

बस्ती। एक ओर सरकार जहाँ जीरो टालरेंस का ढिंढोरा पीट रही है तो वहीं कप्तानगंज ब्लाक भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों का अड्डा बना हुआ है जिसकी पुष्टि एंटीकरप्सन टीम ने 25000 रुपया घूस लेते हुए रंगेहाथ गिरसारी करके किया। कप्तानगंज विकास खंड मुख्यालय में चल रहे भ्रष्टाचार के खेल की खबरें अक्सर मीडिया में सुर्खियाँ बन रही हैं परन्तु जिम्मेदार मनमानी से बाज नहीं आ रहे और भ्रष्टाचार का सिलसिला जारी है। मामला चाहे बीडीओ के परसेंटेज वाली वसूली से जुड़ा हो या फिर चाहे एडीओ पंचायत के सफाई कर्मचारियों के समायोजन/तैनाती में धनउगाही से हो जुड़ा हर जगह भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

विकास खण्ड परिसर में स्थापित सभी कार्यालय यथा वनक्षेत्राधिकारी व बाल विकास परियोजना कार्यालय सभी में धनउगाही की गति समान ही है। इसी प्रकार बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़ा कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी जिसके मुखिया प्रभात कुमार श्रीवास्तव हैं वहाँ तो और ही भ्रष्टाचार है क्योंकि वहाँ के मुखिया प्रभात के पास कप्तानगंज व बहादुरपुर दो ब्लाकों का चार्ज है और नगर बाजार में बैठकर दोनों ब्लाकों की वसूली एक ही जगह से की जाती है। सूत्रों की माने तो कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज का जल्द ही एंटीकरप्सन टीम बृहद आपरेशन करने वाली है क्योंकि तमाम संदिग्ध गतिविधियाँ खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात द्वारा संचालित हैं जो कार्यवाही का आधार बनेंगी। आइए एक नजर सफाई कर्मचारी की गिरफ्तारी पर डालें जो कि आंगनबाडी में नियुक्ति से संबंधित है मतलब साफ है कि आंगनवाड़ी की भर्ती भी भ्रष्टाचार का शिकार है जिम्मेदार भले ही अपने आप को दूध का धुला बताएं क्योंकि साक्ष्य सबके सामने है। देखना यह है कि इस कार्यवाही सें बीडीओ अपने कार्यप्रणाली में सुधार लायेंगे या अगला विकेट गिरने का इंतजार करेंगे।

मेट्रो स्टेशनों के पास किराये पर मिलेंगी APP आधारित साइकिलें

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने मेट्रो वाले शहरों में आमजन का सफर और आसान व सुविधाजनक बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने में होने वाली दिक्कतों को खत्म करने के लिए सरकार ने 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में मेट्रो यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। यात्रियों को पर्यावरण अनुकूल और सस्ती सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेट्रो स्टेशनों के पास मोबाइल एप आधारित साइकिल और ई-साइकिल किराए पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे खासकर छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। **प्रदूषण कम करने में मिलेगी मदद**

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने और वहां से गंतव्य तक जाने की सुविधा जितनी बेहतर होगी, उतना ही आम जनता का रुझान मेट्रो की ओर बढ़ेगा। इसके लिए मेट्रो स्टेशनों के आसपास पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था विकसित करने

बलरामपुर में जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू

» भवन संख्या और स्थ्वहुष्ठ दर्ज करने का अभियान, घर-घर जाकर होगी गणना

बलरामपुर में जनगणना 2027 के पहले चरण की औपचारिक शुरुआत शुक्रवार को हो गई। इस चरण में मकानों के सूचिकरण और गणना का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत, प्रमुख शासकीय भवनों पर भवन संख्या अंकित करने और एसईआईडी (SEID) दर्ज करने का कार्य शुरू किया गया है। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की उपस्थिति में प्रगणकों ने कलेक्ट्रेट परिसर और डीएम आवास पर भवन संख्या अंकित की तथा एसईआईडी दर्ज की। जिलाधिकारी ने अभियान की प्रगति का जायजा लेते हुए कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। इसके आधार पर विकास योजनाओं और संसाधनों की प्रभावी रूपरेखा तैयार की जाती है।उन्होंने सभी अधिकारियों और प्रगणकों को गंभीरता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। शनिवार को यह अभियान जिला एवं सत्र न्यायालय, बलरामपुर परिसर में भी चलाया गया। यहां माननीय अपर जिला जज और उप जिलाधिकारी की उपस्थिति में प्रगणकों ने

भवन संख्या अंकित की। इसी तरह, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बलरामपुर में भी अपर पुलिस अधीक्षक और उप जिलाधिकारी की मौजूदगी में भवन संख्या अंकित करने की प्रक्रिया पूरी की गई। यह विशेष अभियान 22 मई से 20 जून तक चलेगा। इस दौरान जनपद में 4033 प्रगणक और 660 सुपरवाइजर घर-घर जाकर मकानों का सूचिकरण और गणना कार्य करेंगे। अभियान के तहत प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जाएगी और संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से दर्ज की जाएगी। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करें। प्रगणकों को सही और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि इस महत्वपूर्ण अभियान को सफलतापूर्वक और समय पर पूरा किया जा सके।

सीएमओ कार्यालय का वरिष्ठ सहायक पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। बलरामपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन टीम) देवीपाटन मण्डल गोण्डा की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता शिवचरनलाल निवासी धुसाह थाना कोतवाली देहात, जो वर्तमान में जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय बलरामपुर में सुपरवाइजर पद पर कार्यरत हैं, ने एंटी करप्शन संगठन से शिकायत की थी। आरोप था कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति (मेडिकल रीइम्बर्समेंट) की जांच कर प्रतिहस्ताक्षरित कराने के एवज में सीएमओ कार्यालय के वरिष्ठ सहायक मोहनलाल जायसवाल द्वारा 5 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी।शिकायत को गंभीरता से लेते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन गोण्डा इकाई के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में ट्रैप टीम गठित की गई। टीम ने गुरुवार दोपहर करीब 12:40 बजे जाल बिछाकर आरोपी को

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के मुख्य गेट के सामने सड़क पर रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी मोहनलाल जायसवाल पुत्र स्वर्गीय रामप्यारे जायसवाल मूल रूप से ग्राम फुलवरिया, थाना चौरी चौरा जनपद गोरखपुर का निवासी बताया गया है। वह वर्तमान में बलरामपुर सीएमओ कार्यालय में वरिष्ठ सहायक के पद पर तैनात है। एंटी करप्शन टीम ने आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली देहात में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी, कर्मचारी या संविदाकर्मी रिश्वत की मांग करता है तो तत्काल शिकायत करें।

मय माता स्थान के बगल पोखरा का कई बार हो चुका है भुगतान उसी पोखरा का पुनः जारी है मस्टर रोल

● रोजगार सेवक किरन की आईडी से लग रही मनरेगा मजदूरों की बेधड़क लग रही फर्जी हाजिरीसमय माता स्थान के बगल पोखरा खुदाई व सफाई कार्य के नाम पहले भी हो चुका है कई बार भुगतान

● समय माता स्थान के बगल पोखरा खुदाई व सफाई कार्य के नाम पर बार - बार मस्टर रोल जारी होने पर सचिव, टीए व मनरेगा एपीओ की भूमिका संदिग्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के विकास खण्ड सल्टौवा गोपालपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोयलसा में मनरेगा एक्ट की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। वर्तमान समय में दो पोखरा (तालाब) खुदाई व सफाई कार्य के नाम पर फर्जी मस्टर रोल जारी है और दोनों फर्जी मस्टर रोल पर रोजगार सेवक किरन बेधड़क मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने में मस्त हैं और मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर ग्राम प्रधान सावित्री देवी से वाह-वाही लूट रही है ।

सूत्रों की माने तो समय माता स्थान के बगल पोखरा खुदाई व सफाई का कार्य लगभग 06 महीने से चल रहा है और कई बार उक्त प्रोजक्ट के नाम पर भुगतान भी हो चुका है लेकिन कई बार समय माता स्थान के बगल पोखरा खुदाई व सफाई कार्य के नाम पर भुगतान होने के बाद भी बार - बार फर्जी मस्टर रोल जारी होने पर रोजगार सेवक, ग्राम प्रधान, सचिव व तकनीकी सहायक एवं मनरेगा एपीओ की भूमिका अहम है।

मीडिया टीम ने पूर्व में ग्राम पंचायत कोयलसा में चल रहे मनरेगा कार्यो का धरातलीय पड़ताल किया था तब ग्राम प्रधान सावित्री देवी , रोजगार सेवक किरन और सचिव शिव शंकर यादव व तकनीकी सहायक एवं मनरेगा एपीओ के लूट खसोट की पोल खुली थी लेकिन खण्ड

विकास अधिकारी सल्टौवा गोपालपुर अनिल कुमार यादव ने ग्राम पंचायत कोइलसा में चल रहे फर्जीवाड़ा मामले का संज्ञान नही लिया था जिसके कारण फर्जी भुगतान कराने में ग्राम प्रधान सावित्री देवी व सचिव शिव शंकर यादव ने बाजी मारी थी। फर्जी भुगतान कराने में सफल होने पर पुनः फर्जी मस्टर रोल के सहारे ग्राम प्रधान सावित्री देवी व सचिव शिव शंकर यादव सरकारी खजाने को लूटने की तैयारी में जुटे हुए हैं।

ग्राम पंचायत कोयलसा में बड़े पैमाने पर चल रहे मनरेगा फर्जीवाड़ा को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है और ग्राम प्रधान सावित्री देवी व सचिव शिव शंकर यादव के खिलाफ शिकायत करने की तैयारी बना रहे हैं। ग्रामीणों ने बातचीत में बताया कि पंचायत चुनाव नजदीक है जिसके कारण ग्राम प्रधान व सचिव ने सरकारी खजाने को लूटने के उद्देश्य से धड़ल्ले से मनरेगा फर्जीवाड़ा करने में मस्त हैं। अब देखना यह है कि बीडीओ अनिल कुमार यादव ग्राम पंचायत कोयलसा के भ्रष्टाचार को रोक पाते हैं या नही। अथवा लेनदेन करके मामले को रफा-दफा कर देगें।

प्रतिभाशालियों के हौसले तोड़ता रोज-रोज का पेपर लीक

भारत में एक बार फिर प्रतिष्ठित मेडिकल परीक्षा का पेपर लीक हो गया। पेपर लीक एकदम आम सा हो गया है। जितनी सहजता से खामियों को छुपाते हुए परीक्षा रद्द कर दी जाती है, उसके एवज में लाखों बच्चों के मनोमस्तिष्क पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा, समझने की कोशिश भी नहीं का जाती। यह अफसरशाही नहीं तो क्या है? अबकी बार नीट यूजी 2026 पेपर लीक ने फिर तमाम व्यवस्थाओं और परीक्षा तंत्र पर करारा तमाचा जड़ा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ और जो तौर-तरीके देखने में आ रहे हैं उससे लगता है कि न ही आखिरी बार होगा। सबसे पहले बात 3 मई 2026 को भारत भर में हुई उस परीक्षा की जिसमें 22 लाख से अधिक छात्र देश-समाज के लिए कुछ करने की लालसा लिए नीट यूजी परीक्षा में शामिल हुए। उन्हें उम्मीद थी कि उनका सब कुछ बदल जाएगा। लेकिन सपने चूर-चूर हो गए। महज एक बयान जारी कर नौ दिन बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल कोर्सों में दाखिले खातिर होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा रद्द कर दी। वजह बताई गई कि एजेंसी को 7 मई को एक व्हिसलब्लोअर ने जानकारी दी कि एक 'गेस पेपर' का पीडीएफ व्हाट्सऐप पर सर्कुलेट किया गया था, जिसमें वास्तविक नीट परीक्षा जैसे ही प्रश्न थे। एनटीए के महानिदेशक ने कहा कि परीक्षा में किसी भी तरह का उल्लंघन हमारी ज़ीरो-टॉलरेंस नीति के खिलाफ है और इससे उन 22 लाख छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है जिन्होंने परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी। बयान के लब्बोलुआब में नपे-तुले शब्दों से अपनी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जरूर पापड़ बेले गए। लेकिन अब उन लाखों बच्चों का क्या होगा जिन्हें लीक पेपर से कोई वास्ता नहीं था, पेपर अच्छा गया था लेकिन, चयन तय था, लेकिन सपने एक झटके में टूट गए! क्या एनटीए को भान होगा कि बच्चों के कोमल मनोमस्तिष्क पर क्या असर पड़ेगा? जब परीक्षा के पहले ही पीडीएफ बिके, सोशल मीडिया पर वायरल संदेश और सौदेबाजी की बातें हो रहीं थीं तब सारी एजेंसियों के कान में तेल पड़ा था? परीक्षा कोई भी हो, उसकी पवित्रता और निष्पक्षता का ध्यान रखने की गुरुतर जिम्मेदारी उन्हें संचालित करने वालों की होती है।

भारत में कुछ पेपर लीक बहुत ही सुर्खियों, विवादों और चर्चाओं में रहे हैं। ऐसे कुछ मामले आज भी लोगों को भुलाए नहीं भूलते। इनमें मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) का 2013 का मामला काफी चर्चित है। इसमें नकली परीक्षार्थी (सॉल्वर) दूसरों की जगह परीक्षा में सम्मिलित हुए। लंबी रकम देकर इस तरह नौकरियां में जाने का रास्ता भी बना था लेकिन पकड़े गए। मामले में कई आरोपियों सहित जाँच एजेंसियों के लोगों की संदिग्ध मौतें भी हुई। तब पूरा मामला तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के लिए भी गले की हड्डी बना। आरोप-प्रत्यारोपों की झड़ी लगी लेकिन सभी आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। एक अन्य मामला कर्मचारी चयन आयोग का सामने आया। जब सुप्रीम कोर्ट ने पूरी भर्ती प्रणाली को दूषित बता दिया। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कम्बाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) 2017 परीक्षा का पेपर परीक्षा शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया पर लीक हो गया। सीबीआई जांच में पता चला कि कुछ परीक्षा केंद्रों के सुपरवाइजर्स ने अभ्यर्थियों को रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए बाहरी मदद दिलवाई थी। 2022 में रेलवे भर्ती विवाद में सवा करोड़ युवाओं का सड़कों पर उबाल दिखा जिन्होंने स्क्रीनिंग टेस्ट पर आपत्ति उठाई। 2024 में यूजीसी नेट की परीक्षा दूसरे ही दिन रद्द कर दी गई जिसमें 9 लाख प्रतिभागियों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया जो पीएचडी करने और प्रोफेसर बनने का सपना संजोए हुए थे। बहुचर्चित नीट-2024 में 67 छात्रों का 720 अंक ही अर्जित करना सुर्खियों में रहा। इसमें झारखण्ड के एक प्रिन्सपल और वाइस प्रिन्सपल ने पर्चा चुराकर लाखों में बेचा था। जिससे सभी के समान अंक आए और मामले ने तूल पकड़ा।

आखिर इतनी जिम्मेदार परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होना न केवल एनटीए बल्कि उन सारी छोटी-बड़ी उन एजेंसियों के लिए बड़ा सवाल है जिनके कंधों पर परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता का बोझ है। सवाल यह भी है कि अब तक देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा यूपीएससी का पेपर क्यों नहीं लीक हुआ? महज प्रिलिम परीक्षा के दौरान 1992 में इलाहाबाद केंद्र पर पेपर लीक होने की शिकायत आई थी जिस पर संसद में बहस हुई थी। सीबीआई जांच में भी यह सिर्फ एक इनविजिलेटर द्वारा पेपर कॉपी करने का मामला निकला न कि लीक का।

आए दिन पेपर लीक के मामले सामने आते रहते हैं। इसी बार अब तक कई परीक्षार्थियों ने आत्मघाती कदम उठा लिया है। यह बहुत दुखद है। इसे कौन समझेगा? किस पर बच्चों के कोमल मन को झकझोरने और उन्हें ना समझी में बुरे कदम उठाने का आरोप लगेगा? बहुत ही दुखद है मेहनत के बाद इस तरह की घटनाएँ जहाँ रिवाज बन गई हैं वहीं कई प्रतिभाशाली अपने जीवन को संभाल भी नहीं पा रहे हैं। पिछले 12-13 वर्षों के छोटे-बड़े मामले देखें तो लगभग सैकड़ा पार हो चुका है। तकरीबन दो करोड़ छात्रों के भविष्य पर हर वर्ष असर पड़ता है। कई उम्र की सीमा लांघ चुके होते हैं तो कई का मनोबल टूटता और बेहतर करने के बजाए अवसाद का शिकार हो जाते हैं जीवन से हाथ धो लेते हैं। उधर एजेंसियां ईमानदारी के नाम पर खुद को कटघरे में पाकर पेपर ही कैंसल कर, दोबारा कराने का आदेश देकर बरी और ईमानदार हो जाती हैं। इधर मामले बनते हैं और अपराधी कटघरे में भी पहुंचते हैं लेकिन अनेकों बार देखने में आया कि निश्चित समय-सीमा में चार्ज शीट दाखिला में देरी से वो भी बाहर आकर दोबारा अपने पुराने कार्यों मे संलग्न हो जाते हैं।

पेपर लीक को लेकर सरकार को सख्त होना पड़ेगा। कहने को तो कई आरोपी अब तक गिरफ्त मे आ चुके हैं। लेकिन इसका हल ढूंढ़ना ही होगा, संसद में बहस करनी होगी, कठोरतम व्यवस्था व प्रभावी कानून बनाने होंगे ताकि लोग पेपर लीक करने या कराने के नाम से ही थर्राने लगे और इस बारे में सोचना ही बंद कर दें। इसके लिए यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) को रोल मॉडल मान इससे सीख लेनी चाहिए। परीक्षाओं की पवित्रता की गारन्टी हुक्मरानों और अफसरों को लेनी ही होगी ताकि प्रतिभाशालियों का हौसला बार-बार न टूटे और विचलित भी न हों।

ऋतुपर्णा दवे

युवाओं की तीखी प्रतिक्रिया, हम कॉकरोच हैं, लेकिन दीमक नहीं

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के एक मौखिक टिप्पणी ने पूरे देश में तूफान खड़ा कर दिया है। बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करने वाले बयान के बाद सोशल मीडिया पर युवा वर्ग ने तीखा विरोध जताते हुए कहा- हम कॉकरोच हैं, लेकिन दीमक नहीं!

घटना पंद्रह मई की है, जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम संबंधी एक याचिका की सुनवाई कर रहे थे। अदालत में उन्होंने कहा था, कुछ युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जिन्हें न रोजगार मिलता है और न पेशे में जगह। वे मीडिया, सोशल मीडिया, सूचना अधिकार एक्टिविस्ट बनकर व्यवस्था पर हमला करते हैं। उन्होंने फर्जी उपाधि वाले वकीलों और परजीवियों को भी निशाने पर लिया।

बयान वायरल होते ही युवा, विपक्षी नेता और सोशल मीडिया उपयोगकर्ता भड़क उठे। कई युवाओं ने तर्क दिया कि बेरोजगारी की समस्या व्यवस्था की है, न कि युवाओं की। एक व्यापक प्रतिक्रिया में लोग लिख रहे हैं- हम कॉकरोच हैं जो खुले में लड़ते हैं, लेकिन दीमक वे हैं जो अंदर से देश को खोखला कर रहे हैं। कॉकरोच को संघर्ष और जीवट के प्रतीक के रूप में पेश करते हुए युवा कह रहे हैं कि वे कठिन परिस्थितियों में भी टिके रहते हैं, जबकि दीमक चुपके से संरचना को नष्ट करते हैं।

मुख्य न्यायाधीश की सफाईः विवाद बढ़ने पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोलह मई को स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि मीडिया ने उनकी मौखिक टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया। उनका इरादा देश के युवाओं की आलोचना नहीं था, बल्कि फर्जी उपाधियों के जरिए पेशों में घुसपैठ करने वालों पर था। मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं को देश के स्तंभ बताया और कहा कि वे उनसे प्रेरित होते हैं।

विवाद का पृष्ठभूमिः भारत में युवा बेरोजगारी की दर पंद्रह से सत्रह प्रतिशत के आसपास बताई जाती है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में घोटालों, नौकरियों की कमी और महंगाई जैसे मुद्दों पर युवा पहले से असंतुष्ट हैं। मुख्य न्यायाधीश के बयान को कई लोग युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश मान रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भी इस पर निशाना साधा। सोशल मीडिया पर हमकॉकरोचहैं और दीमकबनामकॉकरोच जैसे हैशटैग चर्चा में हैं। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, कॉकरोच तो दिख जाता है, लेकिन दीमक अंदर से खाती रहती है- चाहे वह भ्रष्टाचार हो, संस्थागत गिरावट हो या युवाओं की उपेक्षा।

विशेषज्ञों की रायः सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् मानते हैं कि बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा है। इसे कॉकरोच कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि युवाओं में गुस्सा बढ़ेगा। साथ ही फर्जी उपाधि और व्यवस्था में घुसपैठ को रोकने की जरूरत पर भी जोर दिया जा रहा है। यह विवाद एक बार फिर बेरोजगारी, मेरिट और संस्थागत विश्वास पर बहस छेड़ गया है। युवा साफ कह रहे हैं- हम टिके रहने वाले कॉकरोच हैं, लेकिन देश को खोखला करने वाले दीमक नहीं। अब देखना यह है कि इस पलटवार से व्यवस्था कितना सबक लेती है।

आत्मविश्वास और धर्मशक्ति से ही बनता है समाज और राष्ट्र महान

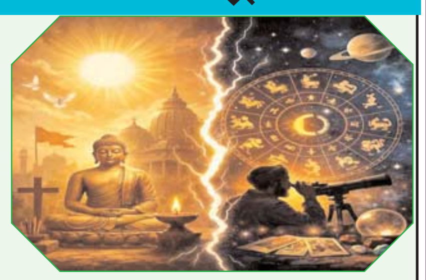

मनुष्य के जीवन में सफलता का आधार केवल साधन और सुविधाएं नहीं होतीं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिन लोगों ने अपने आत्मविश्वास, परिश्रम और सही कार्यपद्धति को अपनाया, उन्होंने अभावों के बीच भी महान उपलब्धियां प्राप्त कीं। दूसरी ओर अनेक ऐसे लोग भी मिलते हैं जिनके पास पर्याप्त धन, संसाधन और अवसर होने के बावजूद वे जीवन में कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं कर सके। इससे स्पष्ट हो जाता है कि जीवन में प्रगति का मूल आधार बाहरी साधन नहीं बल्कि व्यक्ति की आंतरिक शक्ति, सकारात्मक सोच और कर्मशीलता होती है।

आज समाज में एक बड़ी समस्या यह दिखाई देती है कि अधिकांश लोग अपनी असफलताओं का कारण साधनों की कमी को मानते हैं। वे यह सोचकर निराश हो जाते हैं कि यदि उनके पास अधिक धन, अच्छी व्यवस्था या विशेष अवसर होते तो वे भी जीवन में आगे बढ़ सकते थे। यह सोच वास्तव में मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। अभावों को बहाना बनाकर बैठ जाना व्यक्ति के आत्मबल को समाप्त कर देता है। आलस्य और प्रमाद हमेशा किसी न किसी बहाने की तलाश में रहते हैं और साधनों का अभाव सबसे आसान बहाना बन जाता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति अपनी क्षमताओं का उपयोग ही नहीं कर पाता और धीरे-धीरे उसका व्यक्तित्व कुंठित होने लगता है।

यदि हम संसार के महान व्यक्तियों के जीवन का अध्ययन करें तो पाएंगे कि अधिकांश महान कार्य अभावों के बीच ही संपन्न हुए हैं। अनेक वैज्ञानिकों, साहित्यकारों, समाज सुधारकों और राष्ट्रनिर्माताओं ने कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए इतिहास रचा। उनके पास आधुनिक साधन नहीं थे, लेकिन उनके भीतर आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति अटूट निष्ठा थी। यही कारण है कि उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर दुनिया को नई दिशा दी। अभावों ने उनके भीतर संघर्ष की ज्वाला पैदा की और वही संघर्ष उनकी सफलता का आधार बना।

मनुष्य के पास सबसे बड़ा साधन उसका मस्तिष्क और उसका शरीर है। यदि व्यक्ति का विचार स्वस्थ है और उसका संकल्प दृढ़ है तो वह सीमित संसाधनों में भी असाधारण कार्य कर सकता है। करोड़ों रुपये भी वह सफलता नहीं दिला सकते जो एक जागृत मस्तिष्क और आत्मविश्वासी व्यक्तित्व प्राप्त कर सकता है। जब व्यक्ति सही विधि से कार्य करता है, धैर्य और लगन के साथ आगे बढ़ता है, तब साधन स्वयं उसके मार्ग में आने लगते हैं। आत्मविश्वास मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। यह वह शक्ति है जो असंभव को संभव बना देती है। वर्तमान समय में भारतीय समाज की एक बड़ी समस्या विचारों की विपन्नता भी है। लोग स्वयं पर विश्वास करने के बजाय परिस्थितियों को दोष देते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि परिस्थितियां कभी भी स्थायी नहीं होतीं। जो व्यक्ति कठिनाइयों के बीच संघर्ष करना सीख लेता है वही जीवन में स्थायी सफलता प्राप्त करता है। राष्ट्र का विकास भी तभी संभव है जब उसके नागरिक आत्मविश्वासी, परिश्रमी और सकारात्मक विचारों वाले हों। केवल सरकारों या व्यवस्थाओं से समाज का उत्थान नहीं हो सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। इसी प्रकार समाज में बढ़ती अनैतिकता और चारित्रिक पतन के लिए भी केवल आधुनिक साधनों या संचार माध्यमों को दोष देना उचित नहीं है। यह सत्य है कि आज के समय में अनेक माध्यमों के द्वारा गलत प्रवृत्तियों का प्रसार होता है, लेकिन समाज का पतन केवल इन कारणों से नहीं होता। वास्तविक समस्या यह है कि समाज में धर्म और नैतिकता की शक्ति कमजोर होती जा रही है। धर्म केवल पूजा-पाठ या कर्मकांड का नाम नहीं है। धर्म वह शक्ति है जो मनुष्य को सदाचार, संयम, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाती है।

जब समाज के सज्जन और धार्मिक लोग निष्क्रिय हो जाते हैं तब दुर्जनता स्वतः बढ़ने लगती है। अधर्म और पापाचार अपने आप में बहुत कमजोर तत्व होते हैं, लेकिन जब उनका विरोध करने वाले मौन हो जाते हैं तब वे समाज पर हावी होने लगते हैं। आज देश में लाखों साधु-संत और करोड़ों धार्मिक लोग हैं, किंतु समाज सुधार और धर्म विस्तार के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करने वालों की संख्या बहुत कम है। केवल मंदिरों में पूजा करना या परंपरागत कर्मकांड निभा लेना ही धर्म नहीं है। सच्चा धर्म वह है जो समाज में नैतिकता और मानवता की स्थापना करे।

धर्म का वास्तविक स्वरूप समाज के पीड़ित, भटके और दुर्व्यसनग्रस्त लोगों को सही मार्ग दिखाने में है। यदि कोई व्यक्ति नशे, अपराध या अनैतिक जीवन में फंस गया है तो उसे प्रेम, प्रेरणा और सद्विचारों के माध्यम से सुधारना ही धर्म का कार्य है। धर्म का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत मोक्ष नहीं बल्कि समाज का कल्याण भी है। जब धार्मिक लोग समाज के बीच जाकर सेवा और जागरण का कार्य करेंगे तभी अधर्म की शक्तियों को रोका जा सकेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज का प्रत्येक सज्जन व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझे। यदि अच्छे लोग केवल अपने निजी जीवन तक सीमित रहेंगे और समाज की समस्याओं से दूर रहेंगे तो बुराइयों का बढ़ना स्वाभाविक है। अच्छाई को केवल विचारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए बल्कि उसे कर्म के रूप में समाज के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। जब सज्जन सक्रिय होंगे तब समाज में नैतिकता, सदाचार और अनुशासन का वातावरण बनेगा।

युवा पीढ़ी को विशेष रूप से यह समझने की आवश्यकता है कि सफलता का मार्ग बाहरी सुविधाओं से नहीं बल्कि आत्मबल और निरंतर प्रयास से बनता है। उन्हें अपने भीतर आत्मविश्वास विकसित करना होगा। साथ ही समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को भी समझना होगा। केवल व्यक्तिगत सफलता ही जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए बल्कि समाज के उत्थान में भी योगदान देना चाहिए। भारत की संस्कृति हमेशा से त्याग, परिश्रम और धर्मनिष्ठा की संस्कृति रही है। इसी संस्कृति ने इस देश को महान बनाया। आज आवश्यकता है कि हम फिर से उन्हीं मूल्यों को अपनाएं। यदि व्यक्ति आत्मविश्वास, परिश्रम और सदाचार को अपने जीवन का आधार बना ले तो न केवल उसका व्यक्तिगत जीवन सफल होगा बल्कि समाज और राष्ट्र भी शक्तिशाली बनेंगे।

अंततः यही कहा जा सकता है कि साधन और सुविधाएं जीवन में सहायक अवश्य हैं, लेकिन वे सफलता का मूल आधार नहीं हैं। सच्ची शक्ति मनुष्य के आत्मविश्वास, उसके विचारों और उसके कर्म में होती है। इसी प्रकार समाज की रक्षा केवल कानूनों और व्यवस्थाओं से नहीं हो सकती। इसके लिए सज्जनों और धार्मिक लोगों को सक्रिय होकर समाज में नैतिक जागरण फैलाना होगा। जब व्यक्ति आत्मबल से प्रेरित होकर समाजहित में कार्य करेगा तभी एक स्वस्थ, सशक्त और आदर्श राष्ट्र का निर्माण संभव होगा। **कांतिलाल मांडोत**

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस हर घूट में बसी दुनिया की धड़कन

21 मई को दुनिया अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस मनाती है। संयुक्त राष्ट्र ने 2019 में इसे आधिकारिक मान्यता दी, ताकि चाय उत्पादन से जुड़े लाखों किसानों, श्रमिकों और छोटे उत्पादकों के योगदान को सम्मान मिल सके। सुबह की पहली किरण के साथ जो कप हमारे हाथ में होता है, उसके पीछे असम के बागानों में पत्ती तोड़ती महिलाओं से लेकर दार्जिलिंग की धुंध में लिपटी फैक्ट्रियों और केन्या-श्रीलंका तक फैले खेतों की कहानियां छुपी हैं, जो दुनिया की 60% से ज्यादा आबादी को जगाते हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक और सबसे बड़ा उपभोक्ता है। यहां चाय सिर्फ पेय नहीं, इमोशन है। कुल्हड़ वाली चाय से कश्मीरी कहवे तक, नुक्कड़ की टपरी से 5-स्टार होटल की हाई-टी तक, दोस्ती की शुरुआत से रिश्तों के टूटने तक, हर जगह चाय गवाह बनती है। 'चाय पियोगे?' भारत की सबसे कॉमन लव लैंग्वेज बन चुका है। एक कप चाय का अर्थशास्त्र बेहद गहरा है। दुनियाभर में 1.3 करोड़ से ज्यादा लोग इस उद्योग पर निर्भर हैं, जिनमें 60% से ज्यादा महिलाएं हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के लाखों परिवारों की रीढ़ चाय ही है। दुनिया की 70% चाय छोटे किसान उगाते हैं, बड़ी कंपनियां नहीं। मगर जलवायु परिवर्तन, घटते दाम और बिचौलियों की वजह से चाय बागान के मजदूर आज भी 250-300 की दिहाड़ी पर काम करते हैं। इसलिए चाय दिवस का मकसद सिर्फ जश्न नहीं, इन मुद्दों पर आवाज उठाना भी है। सेहत के लिहाज से भी चाय कमाल है। ग्रीन और ब्लैक टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कैंसर से लड़ते हैं। रोज 3 कप चाय हार्ट अटैक का खतरा 20% तक कम कर सकती है। इसमें मौजूद L-theanine फोकस बढ़ाता है और स्ट्रेस घटाता है, वहीं बिना दूध-चीनी की चाय ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करती है। इस दिन को मनाने के लिए हम बड़े ब्रांड की जगह सीधे बागानों या छोटे उत्पादकों से चाय खरीद सकते हैं। व्हाइट टी, ऊलोंग, पर्पल टी जैसी नई वैरायटी ट्राई कर सकते हैं। रोज शाम को थकान उतारने वाले चाय वाले भैया को थैंक्यू बोल सकते हैं और प्लास्टिक छोड़कर कुल्हड़ या मिट्टी के कप अपना सकते हैं। चाय का भविष्य चुनौतियों से भरा है। जलवायु परिवर्तन से क्वालिटी और पैदावार दोनों खतरे में हैं। तापमान बढ़ने पर असम की 40% चाय की जमीन बेकार हो सकती है। इसलिए अब सस्टेनेबल टी, ऑर्गेनिक खेती, फेयर ट्रेड और पानी बचाने वाली तकनीक ही इसे बचा पाएगी। टैगोर ने ठीक कहा था, 'चाय है तो उम्मीद है।' 21 मई को जब अगला कप उठाएं, तो उन हाथों को जरूर याद करिएगा जिन्होंने वो पत्ती तोड़ी। चाय दिवस सिर्फ सेलिब्रेशन नहीं है, ये उन करोड़ों लोगों का सम्मान है जिनकी मेहनत हमारी सुबह को 'गुड मॉर्निंग' बनाती है।

डॉ. विवेकानंद उपाध्याय

दैनिक राशिफल

मेष राशि कल का दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में रुका धन वापस मिलने के संकेत हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। **शुभ रंगः** लाल **शुभ अंकः** 9

वृषभ राशि धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। स्वास्थ्य में हल्की थकान महसूस हो सकती है। **शुभ रंगः** सफेद **शुभ अंकः** 6

मिथुन राशि कल नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। **शुभ रंगः** हरा **शुभ अंकः** 5

कर्क राशि भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। परिवार का सहयोग मिलेगा। धन खर्च बढ़ सकता है लेकिन जरूरी कार्य पूरे होंगे। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। **शुभ रंगः** सिल्वर **शुभ अंकः** 2

सिंह राशि कल आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। करियर में सफलता के संकेत हैं। व्यापार में लाभ हो सकता है। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। **शुभ रंगः** सुनहरा **शुभ अंकः** 1

कन्या राशि कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंगः** हरा **शुभ अंकः** 7

तुला राशि कल भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरी में उन्नति के अवसर मिलेंगे। प्रेम जीवन में खुशियां आएंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। **शुभ रंगः** गुलाबी **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक राशि गुस्से पर नियंत्रण रखें। किसी करीबी से विवाद हो सकता है। व्यापार में सोच-समझकर निवेश करें। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंगः** मैरून **शुभ अंकः** 8

धनु राशि कल का दिन उत्साह से भरा रहेगा। करियर में नई संभावनाएं बनेंगी। यात्रा लाभदायक हो सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। **शुभ रंगः** पीला **शुभ अंकः** 3

मकर राशि धन लाभ के अच्छे योग हैं। नौकरी में पदोन्नति की चर्चा हो सकती है। पुराने विवाद खत्म होने की संभावना है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंगः** नीला **शुभ अंकः** 10

कुंभ राशि रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में लाभ मिलेगा। नए लोगों से संपर्क भविष्य में फायदा देगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंगः** आसमानी **शुभ अंकः** 4

मीन राशि कल मानसिक शांति बनी रहेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बितेगा। व्यापार में लाभ और नौकरी में सराहना मिल सकती है। धार्मिक यात्रा के योग हैं। **शुभ रंगः** नारंगी **शुभ अंकः** 7

मोदी-मेलोनी की मेलोडी डिप्लोमेसी-मुस्कान बनी मैसेज, मिठास बनी मैप

[मोदी-मेलोनी के बीच 'मेलोडी' मूवः बदलते शक्ति संतुलन की झलक]

[मेलोनी को टॉफी, विपक्ष को तमाचा-मोदी ने रोम में नया इतिहास रचा]

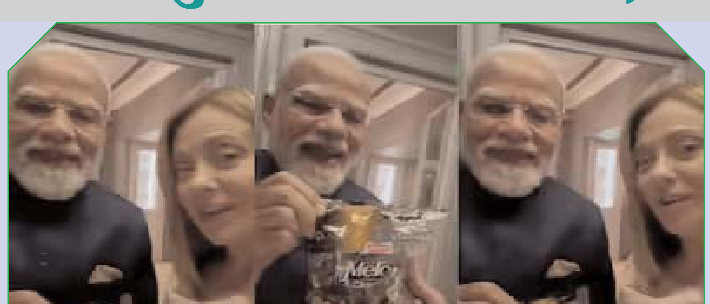

रोम की ऐतिहासिक प्राचीरों के साए में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी का पैकेट भेंट किया, तो दुनिया ने सिर्फ एक मीठा पल नहीं, बल्कि वैश्विक विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती ताकत और प्रभाव का स्पष्ट संकेत देखा। यह 'मेलोडी' डिप्लोमेसी महज वायरल सेल्फी या कोलोसियम की सैर नहीं थी। यह दो मजबूत राष्ट्रवादियों के बीच उस रणनीतिक गठबंधन की शुरुआत थी, जो यूरोप के मध्य में भारत को नया द्वार खोल रहा है। जबकि विपक्ष 'टॉफी डिप्लोमेसी' पर तंज कस रहा है, हकीकत यह है कि मोदी की इस यात्रा ने भारत-इटली संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' स्तर पर ऊंचा उठा दिया है। पुरानी कांग्रेस संस्कृति की 'चाय पी लो' वाली आलोचना अब पुरानी पड़ चुकी है।

वैश्विक कूटनीति के बदलते परिदृश्य के बीच इस दौरे में दोनों देशों ने संयुक्त 'जॉइंट स्ट्रैटेजिक एक्शन प्लान 2025-2029' की समीक्षा की और कई ठोस आउटकम्स/एम.ओ.यूज़ पर सहमति जताई। द्विपक्षीय व्यापार को 2029 तक 20 बिलियन यूरो तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया। रक्षा उद्योग सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स, समुद्री परिवहन, कृषि, उच्च शिक्षा, नर्स भर्ती और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक समझौते हुए। सबसे महत्वपूर्ण, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को नई गति मिली। इटली भूमध्य सागर का अहम प्रवेश द्वार है, जिससे यह साझेदारी भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को 'एक्ट वेस्ट' की दिशा में भी मजबूत आधार देती है। जबकि विपक्ष 'मेलोडी' पर व्यंग्य कर रहा है, वास्तविकता यह है कि मोदी-मेलोनी ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की ठोस नींव रखी है।

यह यात्रा महज द्विपक्षीय नहीं, बल्कि बहुपक्षीय महत्व की है। दोनों नेताओं ने वैश्विक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की विविधता पर सहमति बनी। दोनों देशों ने एक्शन प्लान की समीक्षा के लिए विदेश मंत्रियों के नेतृत्व वाले एक मैकेनिज़्म के गठन पर सहमति जताई है। यह संस्थागत मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मेलोनी की सरकार मजबूत राष्ट्रवादी रुख के साथ अवैध प्रवासन और यूरोपीय संप्रभुता पर सख्त नीति अपनाती है, जबकि मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' और मेलोनी की 'इटली फर्स्ट' सोच में स्पष्ट समानता दिखती है। दोनों ने साफ संदेश दिया कि लोकतंत्र और राष्ट्रवाद की नींव पर खड़े देश एक-दूसरे के साथ खड़े हो सकते हैं, वैश्विक संतुलन को नई दिशा दे सकते हैं। यह वह सोच है जिससे कांग्रेस और उसके गठबंधन वाले हमेशा कतराते रहे। वे तो अभी भी 'चीन भाई-चीन' वाली पुरानी लीक पर अटके हैं।

इतिहास के पन्नों में यह यात्रा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव की एक सशक्त मिसाल के रूप में दर्ज हुई। कोलोसियम में संयुक्त भ्रमण, राजकीय रात्रिभोज, गार्ड ऑफ ऑनर और मेलोनी द्वारा हिंदी कहावत 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है' का उल्लेख–ये सभी क्षण दोनों देशों के बीच बढ़ती आत्मीयता को दर्शाते हैं। इटली में भारतीय समुदाय की उपस्थिति और सक्रियता लगातार मजबूत हो रही है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं। भले ही कुछ लोग सांस्कृतिक कूटनीति को कम आँकते हों, पर वास्तविकता यह है कि सॉफ्ट पावर के बिना वैश्विक प्रभाव अधूरा रहता है, और इसी संतुलन को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया है।

भारत और यूरोप के बीच आर्थिक रिश्ते अब नए विस्तार की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। लगभग 16.77 बिलियन डॉलर के व्यापार आधार के साथ यह साझेदारी निवेश, तकनीक और संयुक्त उत्पादन को नई ऊर्जा दे रही है। रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन के अवसर मजबूत हो रहे हैं, वहीं स्वच्छ ऊर्जा और एआई जैसे भविष्य-केंद्रित क्षेत्रों में सहयोग भारत को यूरोपीय तकनीकी क्षमता से और अधिक जोड़ रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को चीन से अलग करने की चल रही कोशिशों के बीच भारत की रणनीतिक भूमिका लगातार बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीति ने इस परिवर्तन में भारत को निर्णायक स्थिति में ला खड़ा किया है, जबकि विपक्ष अब भी बड़े आर्थिक दृष्टिकोण की बजाय सीमित मुद्दों तक ही सिमटा दिखाई देता है।

विपक्ष की आलोचना इस दौर की एक चिंताजनक सच्चाई बनकर सामने आती है। राहुल गांधी जैसे नेता जब 'टॉफी डिप्लोमेसी' पर व्यंग्य करते हैं, तो वे देश की गरिमा और विदेश नीति की गंभीरता को कमजोर करते प्रतीत होते हैं। जब भारत वैश्विक पटल पर मजबूती से अपनी स्थिति स्थापित कर रहा है, तब भी उन्हें विदेश नीति केवल 'मोदी का प्रचार' कहकर सीमित करने की प्रवृत्ति से आगे बढ़ते नहीं देखा जाता। यह भी स्मरणीय है कि वही विपक्ष पहले 'चीन के साथ दोस्ती' जैसे विचारों को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत करता रहा है। आज जब प्रधानमंत्री मोदी इटली जैसे मजबूत यूरोपीय देश के साथ रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा दे रहे हैं, तब उनकी चुप्पी या तीखी आलोचना दोनों ही व्यापक राष्ट्रीय हितों के संदर्भ में प्रश्न उठाती है।

मोदी-मेलोनी की यह 'मेलोडी' डिप्लोमेसी अब केवल एक कूटनीतिक संवाद नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक शक्ति संरचना में भारत के निर्णायक उभार का स्पष्ट संकेत बन चुकी है। रोम की यह यात्रा दर्शाती है कि जब नेतृत्व सशक्त हो, दृष्टि स्पष्ट हो और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हों, तब परिणाम इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं।

यह वह समय है जब दुनिया नए समीकरण गढ़ रही है और भारत उसमें दर्शक नहीं, सक्रिय निर्माता की भूमिका निभा रहा है। जो अब भी पुरानी राजनीतिक सोच और सीमित दृष्टि से इस परिवर्तन को आंकने का प्रयास कर रहे हैं, वे स्वाभाविक रूप से इस गति से पीछे रह जाएंगे। भारत आज रुकने के लिए नहीं, बल्कि आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए चल रहा है– आत्मविश्वास, सम्मान और वैश्विक प्रभाव के साथ।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

आंधी में गिरा ट्रांसफार्मर अभी तक नहीं बदला, 40 घरों की बिजली ठप

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बाजपेईखेड़ा मजरे बेहटा कला गांव में आंधी के दौरान ट्रांसफार्मर गिर जाने से करीब 40 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। दस दिनों से बिजली न आने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में हालात और खराब हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आंधी आने के बाद से गांव का ट्रांसफार्मर जमीन पर गिरा पड़ा है। इसके चलते पूरे मोहल्ले की बिजली बाधित है। बिजली न मिलने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। मोटर और पंप नहीं चल पा रहे हैं। गर्मी के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों की तबीयत भी खराब हो रही है। गांव के लोगों ने बताया कि कई बार बिजली विभाग से शिकायत की गई, लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीण सोनू बाजपेई, सुरजू, दिलीप बाजपेई, दीपक बाजपेई, सौरभ बाजपेई, अनिल सोनी और पूनम देवी समेत अन्य लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से जल्द ट्रांसफार्मर बदलकर विद्युत आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान विफल, हटते ही फिर सजीं फुटपाथ पर दुकानें

लालगंज (रायबरेली)। नगर पंचायत प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कस्बे में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अगले दिन से फिर दुखने सड़क पर सज गई। स्थानीय लोग इसे प्रशासनिक विफलता मान रहे हैं। बृहस्पतिवार को अभियान शुरू होते ही बाजार में अफरा तफरी का माहौल बन गया। कई दुकानदारों ने खुद ही सड़क किनारे रखा सामान हटा लिया। वहीं कुछ स्थानों पर जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया।अभियान की शुरुआत रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास से हुई। नगर पंचायत की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। नई बाजार मोहल्ला से अस्पताल मोड़ तक सड़क के दोनों तरफ ठेला और दुकानदारों ने अपनी दुकानें हटा लीं।हालांकि अभियान खत्म होते ही कई दुकानदारों ने दोबारा सड़क पर दुकानें सजा लीं। इससे कार्रवाई की पर सवाल उठने लगे। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी राजभान शुक्ला ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। दोबारा अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि एसडीएम, सीओ और नगर पंचायत प्रशासन के समन्वय से एक समिति गठित की जा रही है जो अभियान की निगरानी करेगी।

बरम बाबा मंदिर की कुटिया में लगी आग, सामान राख, गाय की जलकर मौत

सिंगाही-खीरी। थाना क्षेत्र के शीतलापुर गांव के पास स्थित बरम बाबा मंदिर परिसर में बनी कुटिया में गुरुवार रात करीब 8 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कुटिया को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रखा सामान जलकर राख हो गया। हादसे में अनाज, कपड़े और घरेलू सामान सहित एक गाय की भी जलकर मौत हो गई।ग्रामीणों के अनुसार आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पानी और अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक कुटिया में रखा अधिकांश सामान जल चुका था। आग इतनी तेज थी कि वहां बंधी एक गाय भी उसकी चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य कारण से आग लगी हो सकती है। घटना से क्षेत्र में दुख और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

बिना अनुमति चल रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंटों पर उठे गंभीर सवाल, क्रिकेट की आड़ में शराब, जुआ और सट्टेबाजी के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद/ रहीमाबाद। थाना रहीमाबाद और थाना मलिहाबाद क्षेत्र में इन दिनों बिना अनुमति आयोजित किए जा रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट चर्चा और विवाद का विषय बने हुए हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि खेल के नाम पर आयोजित होने वाले इन टूर्नामेंटों में प्रशासनिक नियमों की अनदेखी की जा रही है, जबकि जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी निगरानी दिखाई नहीं दे रही। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह स्थिति किसी बड़ी घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या का कारण बन सकती है। स्थानीय ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों के अनुसार कई स्थानों पर नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट बिना आवश्यक प्रशासनिक अनुमति और पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के आयोजित किए जा रहे हैं। देर रात तक चलने वाले इन आयोजनों में बड़ी संख्या में युवक और दर्शक जुटते हैं, लेकिन सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था न के बराबर दिखाई देती है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली और समय पर कार्रवाई न होने के कारण ऐसे आयोजन लगातार बढ़ते जा रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इन नाइट क्रिकेट प्रतियोगिताओं के दौरान आए दिन मारपीट, कहासुनी और चोरी जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। कई बार मामूली विवाद भी बड़ा रूप ले लेते हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल बन जाता है। लोगों के अनुसार मैचों के दौरान टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ दर्शकों और बाहरी लोगों की भीड़ के कारण विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है, जो बाद में हिंसक झगड़ों में बदल जाती है। मलिहाबाद क्षेत्र के नबीनगर में वर्तमान समय में चल रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं और आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि खेल मैदान के आसपास देर रात तक भीड़ लगी रहती है और इसी माहौल का फायदा उठाकर कुछ लोग कथित रूप से अवैध गतिविधियों को अंजाम देते हैं। आरोप है कि नाइट क्रिकेट के नाम पर अवैध तरीके से शराब की बिक्री और तस्करी तक की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्लेग्राउंड के आसपास ही शराब उपलब्ध कराई जाती है, जिससे युवाओं और किशोरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इतना ही नहीं, लोगों का आरोप है कि क्रिकेट टूर्नामेंटों की आड़ में जुआरियों ने भी अपने अड्डे जमा लिए हैं। मैचों के परिणाम और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सट्टा लगाए जाने की बातें क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मैचों के दौरान कुछ लोग सट्टेबाजी में सक्रिय रहते हैं और हार-जीत को लेकर विवाद की स्थिति बन जाती है। यही विवाद कई बार गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच जाते हैं, जिससे माहौल खराब होता है और बड़ी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि खेल प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाना होना चाहिए, लेकिन यदि इन्हीं आयोजनों की आड़ में शराब, जुआ और सट्टेबाजी जैसी गतिविधियों के आरोप सामने आने लगें तो यह चिंता का विषय बन जाता है। लोगों ने सवाल उठाया है कि आखिर बिना अनुमति और पर्याप्त निगरानी के ऐसे आयोजन किस प्रकार संचालित हो रहे हैं और जिम्मेदार विभाग इस पर सख्ती क्यों नहीं दिखा रहे। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को ऐसे आयोजनों की अनुमति प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था और मैदान के आसपास होने वाली गतिविधियों की गंभीरता से जांच करनी चाहिए।

लोगों ने मांग की है कि यदि किसी नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में नियमों का उल्लंघन या अवैध गतिविधियां पाई जाती हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि खेल का माहौल खराब न हो और कानून-व्यवस्था बनी रहे। हालांकि, शराब तस्करी, जुआ और सट्टेबाजी से जुड़े आरोपों की प्रशासनिक या पुलिस स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

लहरपुर कोतवाली में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं नगर के संभ्रांत नागरिक भी रहे उपस्थित लहरपुर कोतवाली परिसर में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं नगर के संभ्रांत नागरिकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लहरपुर नगर के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों एवं बाजारों को सीसीटीवी कैमरों से जोड़कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना है। इस दौरान नगर में होने वाली सभी आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अपराधियों की पहचान और निगरानी को आसान बनाने पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से अपराध नियंत्रण में काफी सहायता मिलेगी तथा किसी भी घटना की त्वरित जांच संभव हो सकेगी श। बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं नगर के गणमान्य लोगों ने भी सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए ।

बैठक में मौजूद व्यापार मंडल पदाधिकारियों एवं नगर के गणमान्य लोगों से प्रशासन ने पूर्ण सहयोग देने की अपेक्षा की जिस पर सभी लोग ने पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में प्रमुख रूप से पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष रियाज अहमद बबलू, हरीश रस्तोगी गोलू, वीरेंद्र पुरी, रजीउद्दीन रज्जू, जावेद अंसारी, हाशिम अंसारी, दीपक रस्तोगी, इकरामुल हसन, बीलू शुक्ला, समेत व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं नगर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

पत्नी ने होटल में पति को प्रेमिका संग पकड़ा, जमकर हुआ हंगामा प्रेमिका की जमकर पिटाई

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बृजेंद्र नगर स्थित एक होटल में प्रेमिका के साथ ठहरे युवक को उसकी पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली ले गई, जहां काउंसलिंग कराई गई। लखनऊ निवासी महिला ने बताया कि उसका पति जाजमऊ कानपुर की रहने वाली एक महिला के संपर्क में था। जानकारी मिलने पर वह पति की तलाश में नगर के कई होटलों में पहुंची। आखिरकार बृजेंद्र नगर स्थित एक होटल में उसने पति को दूसरी महिला के साथ पकड़ लिया। इस दौरान पत्नी ने पति की प्रेमिका की पिटाई कर दी, जिससे होटल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को कोतवाली ले आई। पुलिस मामले की जांच कर दोनों पक्षों से बातचीत कर रही है।

चिलचिलाती गर्मी में संडीला के सेवक अजय आदित्य का सत्तू बना अमृत

● भाजपा नेता अजय सिंह आदित्य ने गर्मी से निजात दिलाने को देशी सत्तू वितरण के लिए चलाई मुहिम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरावन। भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से निजात दिलाने के लिए संडीला के जनसेवक भाजपा नेता अजय कुमार सिंह 'आदित्य' ने शुक्रवार से देशी सत्तू वितरण के लिए वाहन चलाये। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर वाहन क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों के लिए रवाना किये। लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरावन से मीठा एवं नमकीन देसी सत्तू वितरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इन दिनों क्षेत्र में तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंचने से आम जनजीवन प्रभावित है। तेज धूप और लू भरी हवाओं के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अजय कुमार सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों, तीमारदारों एवं राहगीरों को स्वयं सत्तू पिलाया।उन्होंने कहा कि देसी सत्तू गर्मी और लू से बचाव का पारंपरिक एवं लाभकारी पेय है। इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है तथा ऊर्जा बनी रहती है। उन्होंने लोगों से गर्मी के मौसम में अधिक से अधिक देसी सत्तू का सेवन करने की अपील की। और बताया संडीला विधानसभा क्षेत्र के गांव चौराहा बाजार सभी जगह सत्तू पिलाया जाएगा इस मौके पर अनीता गौतम, रमेश गौतम,ज्ञानेंद्र सिंह,संतोष पाल, शोभित शुक्ला, सरवन सैनी, केशन कुमार रहे।

तीन महीने से मानदेय न मिलने पर अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर: जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा क्षेत्र में कार्यरत आशा एवं आशा संगिनी कार्यकर्ताओं ने तीन महीने से लंबित मानदेय भुगतान और अप्रैल 2026 से बढ़ाए गए मानदेय के भुगतान न होने के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की चेतावनी दी है। कार्यकर्ताओं द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा के प्रभारी को संबोधित एक पत्र में बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा आशा कार्यकर्ताओं के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन वास्तविकता में उन्हें समय पर भुगतान नहीं हो रहा है।

पत्र में प्रमुख रूप से निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:

- 1 अप्रैल 2026 से आशा व आशा संगिनी का बढ़ा हुआ मानदेय अब तक नहीं मिला है।
- पिछले तीन महीनों से किसी भी प्रकार का मानदेय या भत्ता प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे कार्यकर्ताओं को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।
- आशा कार्यकर्ताएं दिन-रात 24 घंटे उपलब्ध रहती हैं, लेकिन उन्हें अत्यधिक कम और अनियमित भुगतान मिलता है।

कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि उनका लंबित मानदेय तथा बढ़ा हुआ मानदेय तत्काल जारी किया जाए। यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो 15 मई 2026 से सभी आशा एवं आशा संगिनी कार्यकर्ताएं काम बंद कर हड़ताल पर चली जाएंगी। पत्र में आशा कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं। इस पत्र की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री कार्यालय, परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक को भी भेजी गई है। यह घटना उत्तर प्रदेश में आशा कार्यकर्ताओं की लंबित समस्याओं को एक बार फिर उजागर करती है। आशा कार्यकर्ताएं ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, लेकिन लगातार भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण उनका मनोबल प्रभावित हो रहा है।

अधिकारियों की प्रतिक्रिया:

अभी तक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। जिला प्रशासन से इस संबंध में शीघ्र समाधान की मांग की जा रही है।

बिजली संकट पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, विद्युत वितरण उपखंड कार्यालय का घेराव

● ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से पहुंचे आक्रोशित ग्रामीण, घेराव कर जमकर की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र में खराब बिजली व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से विद्युत वितरण खंड कार्यालय पहुंचे और घेराव कर जमकर नारेबाजी की। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच प्रदर्शनकारी घंटों डटे रहे। ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचकर समाधान का भरोसा नहीं देंगे, तब तक धरना जारी रहेगा। कुम्भडौरा गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि करीब दस दिन पहले आए आंधी-तूफान में कई गांवों के बिजली खंभे टूट गए थे। इसके बाद से अब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। गांव के कई मोहल्ले अंधेरे में डूबे हुए हैं। बिजली न मिलने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। रात में लोगों को जागकर समय बिताना पड़ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि अधिकारी फोन नहीं उठाते और एसडीओ फोन पर दुर्व्यवहार करते हैं। कुछ लोगों के कहने पर ही लाइन जोड़ी जा रही है, जबकि कई जगह बिजली के तार जमीन पर लटके हुए हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कुम्भडौरा गांव के प्रधान जितेंद्र बहादुर सिंह 'बच्चा', ऊगाभाद गांव के प्रधान वीरेंद्र सिंह, चांदा के रणविजय और गहरी प्रधान सोनू कुमार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही से गांवों के लोग परेशान हैं। जल्द व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। बाद में सूचना पर पहुंचे एसडीएम राजेश कुमार श्रीवास्तव और नायब तहसीलदार ऋतुराज ने ग्रामीणों को विद्युत व्यवस्था बहाल करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने अधिकारियों को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने तहसील क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुचारु करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर महेश प्रधान, अवधेश बहादुर सिंह, सपना पासी, विवेक सिंह, गौरव सिंह, सूरज, विशुना देवी और केकती समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भीषण धूप में दो महिलाएं बेहोश

धरना-प्रदर्शन के दौरान तेज धूप और गर्मी के कारण दो महिलाओं की हालत बिगड़ गई। अमृत का पुरवा निवासी शगुनी और सूरजीपुर निवासी मइका अचानक धरना स्थल पर मूर्छित होकर गिर पड़ीं। मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाकर छाया में पहुंचाया और पानी के छींटे मारकर होश में लाया।

भारतीय जन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय पाल सिंह द्वारा क्षेत्र की जनता की समस्या को लेकर कड़ा बयान जारी किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता *डॉ. अजय पाल सिंह* ने सरोजिनी नगर क्षेत्र की जनता की समस्या को लेकर कड़ा बयान जारी किया। डॉ. अजय पाल सिंह ने कहा, 'सरोजिनी नगर क्षेत्र, एलडीए कॉलोनी, पराग चौराहे पर बालाजी रेस्टोरेंट के पास रिहायशी कॉलोनी में बिना मानक के देसी शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है। प्रशासन मौन है।' उन्होंने बताया कि 'शराब की दुकान के कारण दिन-रात नशेड़ी और मनचले इलाके में जमावड़ा लगाए रहते हैं। महिलाओं और बहन-बेटियों से छींटाकशी, छेड़खानी की घटनाएं आम हो गई हैं। स्कूल-कॉलेज जाने वाली बच्चियां और कामकाजी महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं।' डॉ. सिंह ने कहा, 'रिहायशी कॉलोनी में शराब का ठेका नियमों के खिलाफ है। इससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। छोटे बच्चे गलत संगत में पड़ रहे हैं। शरीफ परिवारों का जीना दूभर हो गया है। क्षेत्रीय जनता में भारी आक्रोश है। 'भारतीय जन समाज पार्टी की माँग: इस अवैध देसी शराब के ठेके को तत्काल यहाँ से हटाया जाए। थाना सरोजिनी नगर, लखनऊ इस मामले में तुरंत मुकदमा दर्ज कर दोषियों पर कार्रवाई करे। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। आबकारी विभाग बताए कि रिहायशी इलाके में लाइसेंस कैसे दिया गया। जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई हो। डॉ. अजय पाल सिंह ने चेतावनी दी, 'अगर 7 दिन के अंदर इस अवैध शराब के अड्डे को नहीं हटाया गया और मनचलों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो भारतीय जन समाज पार्टी क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर पराग चौराहे पर बड़ा आंदोलन करेगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और थाना सरोजिनी नगर की होगी।' 'बाँसुरी अब अन्याय के खिलाफ बजेगी। बहन-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। '

विधवा और उसकी दो बेटियों को लाठी-डंडों से जमकर पिटाई, पीडिता के परिवार को जान से मारने की धमकी दहशत में महिला

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मधुकरपुर गांव में मामूली विवाद को लेकर एक विधवा महिला और उसकी दो बेटियों की गांव के ही तीन लोगों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना के बाद महिला व उसका परिवार दहशत में है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासिनी माधुरी पत्नी स्व. बाबादीन ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम गांव के ही रामसेवक, रजनीश और सतीश किसी बात को लेकर गाली गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपी भड़क गए और मारपीट पर उतारू हो गए। आरोप है कि उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता के मुताबिक बृहस्पतिवार को वह मामले की शिकायत लेकर पुलिस के पास गई थी। शाम को घर लौटने के कुछ देर बाद आरोपी उसके घर पहुंच गए। आरोपियों ने लाठी डंडों से उस पर हमला कर दिया। बीच बचाव करने पहुंचीं उसकी दोनों बेटियों ऊषा और लक्ष्मी को भी पीटा। मारपीट में तीनों घायल हो गईं। पीड़िता ने बताया कि पिटाई से उनके शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

काग़ज़ों में दफन होकर रह गई हाटकुक्ड योजना-आरोप

● हरीपुर मे चल रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के आने-जाने का कोई समय निर्धारित नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज खीरी। विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 10 और 11 के गांव में स्थित दर्जनों आंगनवाड़ी केंद्रों पर, हॉट कुक्ड योजना के तहत बच्चों को पौष्टिक भोजन नहीं दिया जा रहा है। इसमें आंगनवाड़ी कर्मियों, सीडीपीओ और सुपरवाइजरों की मिलीभगत बताई जा रही है, जिसके कारण भोजन तैयार नहीं किया जाता। जबकि केंद्रों को गैस चूल्हा, बरतन, और कच्चा राशन जैसे सभी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन आंगनवाड़ी कर्मी इन सब सामग्री को अपने घर ले जाकर उपयोग करती हैं, जिससे बच्चों को समय पर भोजन नहीं मिल पाता। यह एक गंभीर लापरवाही है, और प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप करके बच्चों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला पौष्टिक आहार न मिलने के कारण बहुत कम संख्या में बच्चे केंद्र पर आते हैं बच्चों को भोजन न मिलने के कारण ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है उच्च अधिकारियों को संज्ञान में लेकर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जानी चाहिए।

काम अपूर्ण होते हुए लाखों का भुगतान निकाले जाने के आरोप

विकास खंड पसगवां की ग्राम पंचायत महमूदपुर नाजीर में विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ह्यूम पाइप, नल मरम्मत, पेयजल व्यवस्था समेत कई कार्यों में लाखों रुपये के भुगतान की चर्चा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई काम अधूरे बताए जा रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ कार्य सिर्फ कागजों में पूरे दिखाए गए, जबकि गांव में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहीं 25 मई 2026 को प्रस्तावित विकास कार्यों और भुगतानों से पहले जल्दबाजी में फाइलें तैयार किए जाने की भी चर्चा है।स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि स्थलीय सत्यापन कराया जाए तो कई अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है।

उम्मीद पोर्टल पर 31 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद, दस्तावेजों में मिलीं खामियां

● उत्तर प्रदेश में उम्मीद पोर्टल पर 31 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों का पंजीयन रद कर दिया गया है। दस्तावेजों में त्रुटियों और तकनीकी खामियों के कारण यह कार्रवाई हुई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में कई कब्रिस्तानों, दरगाहों और मस्जिदों की संपत्ति वक्फ श्रेणी से बाहर भी हो सकती है। डाटा में विसंगति, दस्तावेज में त्रुटि और तकनीकी खामियां पाए जाने पर 'उम्मीद' पोर्टल पर अब तक दर्ज 1,18,302 संपत्तियों में से 31,328 का पंजीयन रद कर दिया गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय ने वक्फ संपत्तियों को पिछले वर्ष पांच जून से 'उम्मीद' पोर्टल पर दर्ज कराने का निर्णय लिया था। पहले तो छह माह का समय दिया गया था लेकिन उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने यूपी वक्फ ट्रिब्यूनल में अपील कर 'उम्मीद' पर संपत्ति दर्ज कराने का समय बढ़ाने की मांग की थी। ट्रिब्यूनल ने अधिकतम छह माह का समय और दे दिया जिसकी अवधि पांच जून को पूरी हो रही है। पोर्टल पर अब तक दर्ज 1,18,302 संपत्तियों में से 53,711 संपत्तियों को ही स्वीकृति दी गई है। 20,546 संपत्तियों के दस्तावेजों का परीक्षण अंतिम चरण में हैं। गौर करने की बात यह है कि 31,192 संपत्तियों के वक्फ दावे को रद कर दिया गया है। इनमें से कई संपत्तियों का खसरा नंबर वक्फ बोर्ड में दर्ज नंबर से मिलान नहीं हो पाया। कई का रकबा ज्यादा है। कई का राजस्व अभिलेखों में रकबा बदल गया है। कुछ कब्रिस्तानों, दरगाह का खसरा दो-दो वक्फ में दर्ज पाया गया है। इस तरह की ज्यादा समस्या मुजफ्फरनगर, बाराबंकी, जौनपुर जिलों में मिली है। ऐसे में जब एक पखवाड़े से कम समय बचा है, तब राजस्व और वक्फ बोर्डों से वक्फ संपत्तियों के दस्तावेजों का मिलान और उन्हें दुरुस्त करना कठिन चुनौती है। वक्फ के विशेषज्ञ अधिवक्ता आफताब अहमद का कहना है कि एक्ट में सिर्फ छह माह के समय बढ़ाने की व्यवस्था है। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश से एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तीकरण दक्षता और विकास अधिनियम-1995 की कुछ धाराओं पर स्टे है। मगर तकनीकी तौर पर यूपी वक्फ ट्रिब्यूनल पहले ही अधिकतम छह माह का समय दे चुका है। अब व्यक्तिगत आधार पर मुतवल्ली ट्रिब्यूनल जरूर जा सकते हैं। सबको अलग-अलग अपील करनी पड़ेगी। यह कठिन कानूनी प्रक्रिया है। वक्फ बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि मुतवल्लियों को सही दस्तावेजों के साथ संपत्ति दोबारा अपलोड करने का पांच जून तक का समय है। यदि इस तिथि तक कमियां दूर नहीं की गई तो संपत्तियां पोर्टल से बाहर हो सकती हैं।

त्विषा शर्मा मौत मामले में समर्थ सिंह को नहीं मिली राहत, हाई कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

● भोपाल की मॉडल और एक्ट्रेस त्विषा शर्मा की मौत के मामले में मुख्य आरोपी पति समर्थ सिंह को कोर्ट ने सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। समर्थ ने अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली थी और उसे जबलपुर कोर्ट परिसर से हिरासत में लिया गया, जहां पुलिस अब उससे पूछताछ करेगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। भोपाल की मॉडल और एक्ट्रेस त्विषा शर्मा मौत मामले में मुख्य आरोपी पति समर्थ सिंह को कोर्ट ने सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की पूरी सच्चाई जानने की कोशिश करेगी। मीडिया से बचाने के लिए समर्थ को कोर्ट परिसर में पीछे के रास्ते से लाया गया और वहीं कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। समर्थ सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए जबलपुर हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। हालांकि शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उसने अपनी याचिका वापस ले ली। इसके बाद हाई कोर्ट ने उसे कटारा हिल्स थाना प्रभारी या जांच अधिकारी के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समर्थ सिंह को शरण देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वह इतने दिनों तक कहां छिपा रहा और किन लोगों ने उसकी मदद की। पुलिस ने यह भी कहा कि मामले में नोटिस भेजे जाने के बावजूद गिरिबाला सिंह अब तक पूछताछ के लिए पेश नहीं हुई हैं।

कोर्ट परिसर से हिरासत में लिया गया आरोपी

हाई कोर्ट के आदेश के बाद समर्थ सिंह जबलपुर जिला कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा था, लेकिन अदालत ने उसका समर्पण स्वीकार नहीं किया। इसके बाद वह गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट परिसर के एक कमरे में छिप गया। इसी दौरान भोपाल और जबलपुर पुलिस को उसके कोर्ट में मौजूद होने की जानकारी मिली। दोनों शहरों की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जबलपुर पुलिस ने आरोपी को भोपाल पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिस टीम उसे देर रात भोपाल लेकर पहुंची।

12 मई को मिला था त्विषा का शव

गौरतलब है कि भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में रहने वाली रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की बहू त्विषा शर्मा का शव 12 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में घर में फंदे से लटका मिला था। घटना के बाद त्विषा के मायके पक्ष ने पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह पर हत्या का आरोप लगाया था। मामले के सामने आने के बाद से पुलिस लगातार जांच कर रही है और अब आरोपी से पूछताछ के जरिए कई अहम खुलासों की उम्मीद की जा रही है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग हाईवे पर हादसा: 100 मीटर खाई में गिरी बाइक, असम के युवक की हुई मौत

● ऋषिकेश-कर्णप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग पर गलनाऊं के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्णप्रयाग (चमोली)। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को गलनाऊं के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित होकर एक मोटरसाइकिल गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से करीब 100 मीटर गहरी खाई से निकालकर उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग पहुंचाया गया। कोतवाली प्रभारी विनोद थपलियाल ने बताया कि 112 डायल के माध्यम से सूचना मिली थी कि गलनाऊं के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे में सोम बोस्या (25) पुत्र रोबिन बोस्या निवासी जोरहाट, असम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ऋतिक (25) पुत्र धनंजय निवासी बक्सर (बिहार) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को स्थानीय लोगों, पुलिस, होमगार्ड, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की मदद से खाई से बाहर निकाला गया। इसके बाद 108 एंबुलेंस सेवा से उन्हें उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक अपने अन्य साथियों के साथ देहरादून से बदरीनाथ धाम की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गलनाऊं के पास ढलान पर मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे क्रैश बैरियर से टकरा गई, जिससे दोनों युवक खाई में जा गिरे। ऋतिक एक पेड़ और चट्टान के सहारे खाई में अटक गया, जबकि पीछे बैठे सोम बोस्या गहरी खाई में गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उप जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि सोम बोस्या को अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल ऋतिक का उपचार जारी है।

संक्षिप्त खबरें

बुढ़ियाडाबर में मां भगवती एवं हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

भव्य कलश यात्रा के साथ धार्मिक माहौल हुआ भक्तिमय

चौपारण, हजारीबाग : चौपारण प्रखंड के बरमोरिया पंचायत अंतर्गत ग्राम बुढ़ियाडाबर में आयोजित श्री श्री 108 मां भगवती एवं हनुमान प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ हुआ। महायज्ञ के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने मुख्य पुजारी भीखन यादव को कलश प्रदान कर विधिवत कलश यात्रा को रवाना किया। गाजे-बाजे, शंखध्वनि और जयकारों के बीच निकली कलश यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए यज्ञ मंडप पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता, भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि यज्ञ और पूजा-अर्चना से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा लोगों की आस्था और संस्कृति के प्रति जुड़ाव बढ़ता है। विधायक ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन भारतीय परंपरा और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों एवं समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया सरिता देवी, पंचायत समिति सदस्य महेंद्र यादव, सुधीर यादव, सुदर्शन यादव, रामसेवक यादव, सुखदेव शर्मा, कैलाश यादव, चंद्रदेव यादव, संजय यादव, कृष्णा यादव, नेमधारी यादव, कपिल यादव, मधु यादव, सुदय यादव, रघुनी शर्मा, राजेश यादव, इंदर देव गुरु, पवन प्रजापति, रामसुंदर प्रजापति, विनोद यादव, रामवृक्ष यादव, रामावतार यादव, पोखन यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

लातेहार व्यवहार न्यायालय में डिजिटल न्याय व्यवस्था की नई शुरुआत

वरिष्ठ अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने बताया ऐतिहासिक पहल

लातेहार, झारखंड:- व्यवहार न्यायालय में न्यायिक प्रक्रिया को आधुनिक और सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के प्रयास से शुक्रवार से न्यायालय में हाईब्रिड मोड पर कार्य की शुरुआत की गई। इस नई व्यवस्था के तहत अधिवक्ता अब ऑनलाइन माध्यम से भी न्यायालयीन कार्यों में भाग ले सकेंगे। हाईब्रिड मोड के तहत जमानत मामलों की सुनवाई ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुई। इस दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने सक्रिय रूप से ऑनलाइन बहस में भाग लेते हुए इस पहल को न्यायिक व्यवस्था में एक ऐतिहासिक बदलाव बताया। ऑनलाइन सुनवाई में अधिवक्ता मिथलेश सिंह, डालटनगंज से महेंद्र गिरि एवं अरविंद गुप्ता, लातेहार स्टेशन से विवेक गुप्ता तथा कुमार अमित ने भी भाग लेते हुए अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। वरिष्ठ अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने कहा कि हाईब्रिड मोड न्यायिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। इससे दूरदराज क्षेत्रों के अधिवक्ताओं और आम लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब अधिवक्ता अपने घर या कार्यालय से ही न्यायालयीन कार्य कर सकेंगे, जिससे समय की बचत होगी और न्याय प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह व्यवस्था लातेहार न्यायालय के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। नई व्यवस्था की शुरुआत के बाद अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। नई तकनीकी सहयोग के लिए न्यायालयकर्मी अभय कुमार सिंह की भूमिका की सराहना की।

यात्रियों को राहत, रेल प्रशासन को क्षेत्रवासियों का धन्यवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा से ट्रेन संख्या 55687 सिलचर जाने वाली ट्रेन में लंबे समय से चली आ रही यात्रियों की समस्या का अंत हो गया है। बरसात के समय खिड़कियाँ खुली रहने के कारण कोच के अंदर पानी प्रवेश कर सीटें गीली हो जाती थीं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बाद में विभिन्न समाचार पत्रों और चैनलों के माध्यम से यात्रियों की इस शिकायत को प्रमुखता से उठाया गया। यात्री कल्याण को ध्यान में रखते हुए यह मामला रेलवे विभाग के उच्च अधिकारियों और प्रशासन के संज्ञान में आया, जिसके बाद आवश्यक कदम उठाए गए। इसके परिणामस्वरूप आज एक संतोषजनक स्थिति देखने को मिली। प्रत्येक कोच के दरवाजे और खिड़कियाँ ठीक से बंद रखी गईं।

तेज बारिश के बावजूद ट्रेन के अंदर पानी प्रवेश नहीं कर सका और सीटें पूरी तरह सूखी एवं आरामदायक रहीं। इस बेहतर व्यवस्था के कारण यात्रियों ने बिना किसी परेशानी के अपनी यात्रा पूरी की और गंतव्य तक पहुँचे। क्षेत्रवासियों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

भोंडसी जेल में संजीव अरोड़ा से मिलेंगे केजरीवाल और मान, 100 करोड़ के घोटाले में ED ने किया था गिरफ्तार

दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शुक्रवार को गुरुग्राम स्थित भोंडसी जिला जेल पहुंचेंगे। दोनों नेता जेल में बंद पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से मुलाकात करेंगे। जानकारी के अनुसार संजीव अरोड़ा इस समय गुरुग्राम की भोंडसी जिला जेल में बंद हैं। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान की उनसे मुलाकात का समय दोपहर 2 बजे तय किया गया है। मुलाकात को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी किए जाने की संभावना है। संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी जीएसटी लेनदेन से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर करीब 100 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी नेटवर्क और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोप हैं। ईडी ने छापेमारी के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था और बाद में अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गुरुग्राम की अदालत ने हाल ही में संजीव अरोड़ा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था, जिसके बाद उन्हें भोंडसी जिला जेल में रखा गया है।

अक्षय के नक्शे कदम पर चले वरुण; इश्क के चक्कर में फैला रायता; ट्रेलर आउट

● वरुण धवन की आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर जारी हो गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। वरुण धवन की आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। बड़े पर्दे पर दस्तक देने से पहले फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक रोम-कॉम ड्रामा है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है।

फिल्म का ट्रेलर आउट

जस (वरुण धवन) की जिंदगी में सारा रायता बच्चे और ज्यादा प्यार की वजह से फैलता है। ट्रेलर की शुरुआत ही उनके और बानी (मृणाल ठाकुर) के बीच कोर्ट में खटपट से होती है। जस का ओवर लव और बच्चे के ऑब्सेशन से उसकी पत्नी बानी पक चुकी है। दोनों अलग होने का सोच चुके हैं।

बीवी-गर्लफ्रेंड के चक्कर में फंसा हीरो

तभी वरुण धवन को प्रीत (पूजा हेगड़े) से दोबारा इश्क हो जाता है। प्रीत के साथ जस का अच्छा-खासा रिलेशन चल रहा होता है, लेकिन तभी उसकी जिंदगी में पत्नी बानी की एंट्री हो जाती है जो मां बनने वाली है।

वहीं दूसरी ओर प्रीत भी मां बनने वाली है जिससे उसकी शादी भी नहीं हुई है। अब गर्लफ्रेंड-बीवी और होने वाले बच्चों के चक्कर में जस का बेड़ा गर्क हो गया है। वह कैसे यह सब हैंडल करेगा, यह फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

गरम मसाला की आएगी याद?

हालांकि, फिल्म का ट्रेलर देख लोग इसकी तुलना गरम मसाला से कर रहे हैं। दरअसल, गरम मसाला में अक्षय कुमार का कैरेक्टर एक घर में तीन-तीन गर्लफ्रेंड को रखता है। वरुण धवन की फिल्म में उसी तरह का सीन है जिसे देख लोग इसे गरम मसाला मिस्क्ड बता रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म में बीवी नंबर 1 का चुनरी चुनरी गाना भी शामिल किया गया है। फिल्म में मौनी रॉय ने वरुण की ऑन-स्क्रीन नकली मां का किरदार निभाया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 5 जून को रिलीज होने वाली है।

भारतीय मेजर अभिलाषा बराक को संयुक्त राष्ट्र का बड़ा सम्मान, मिला 'मिलिट्री जेंडर एडवोकेट' अवार्ड

● लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांति रक्षक मेजर अभिलाषा बराक को 'मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण तथा शांति सैनिकों के लिए लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण में उनके योगदान के लिए दिया गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांति रक्षक मेजर अभिलाषा बराक को विश्व संस्था द्वारा मिलिट्री जेंडर एडवोकेट आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए उनके प्रयासों के लिए इस पुरस्कार से उन्हें नवाजा गया है।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को कहा, 'यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मेजर अभिलाषा बराक को 2025 का यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें महिलाओं और किशोरियों के लिए उनके सामुदायिक जुड़ाव और सामुदायिक गतिविधियों तथा शांति रक्षकों के लिए लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण के लिए सम्मानित किया जा रहा है।' बराक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआइएफआइएल) में महिला सहभागिता दल (एफईटी) की कमांडर के रूप में भारतीय बटालियन में सेवारत हैं।

भारत के लिए गर्व की बात

वह भारतीय सेना की पहली महिला लड़ाकू हेलीकाप्टर पायलट भी हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सम्मानित किया जाएगा, जब विश्व निकाय 29 मई को प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के अंतरराष्ट्रीय दिवस का आयोजन करेगा। भारत के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि बराक देश की तीसरी प्राप्तकर्ता हैं जिन्हें यह पुरस्कार दिया जा रहा है। उनसे पहले मेजर सुमन गवानी और मेजर राधिका सेन को संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में उनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया था।

श्रीभूमि जिले के भेटारबंद चिकित्सालय की बदहाल स्थिति से स्थानीय लोगों में रोष

● प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा क्षेत्र स्थित भेटारबंद राजकीय चिकित्सालय की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने गहरा रोष व्यक्त किया है। आरोप है कि लंबे समय से अस्पताल भवन के कई हिस्से टूट-फूट की स्थिति में पड़े हैं। साथ ही अस्पताल परिसर में जलभराव, गंदगी और अस्वच्छ वातावरण के कारण मरीजों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए इस चिकित्सालय में आते हैं, लेकिन पर्याप्त साफ-सफाई और रखरखाव के अभाव में अस्पताल की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। अस्पताल की दीवारों में दरारें, टूटे हुए दरवाजे-खिड़कियां और गंदा वातावरण लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे आम जनता में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने चिकित्सालय की जल्द मरम्मत, नियमित साफ-सफाई और आवश्यक विकास कार्यों की मांग की है। साथ ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

अर्जुन तेंदुलकर का आखिरकार हो गया डेब्यू, आखिरी मैच में लखनऊ ने दे दिया मौका

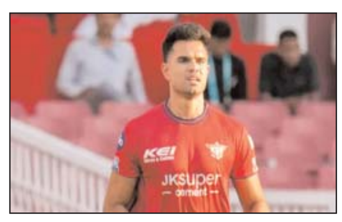

दिल्ली। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आखिरकार आईपीएल 2026 में खेलने का मौका मिला है। उन्हें सीजन के दौरान अब तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन सीजन के आखिरी मैच में उन्हें मौका मिला है। अर्जुन को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 30 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था। अब पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में अर्जुन को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया है। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। उनकी टीम अंक तालिका में 10वें स्थान पर है। एलएसजी पिछले कुछ मैचों में बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को आजमा रही है और इसी कड़ी में तेंदुलकर को भी शामिल किया गया है। अर्जुन इस मुकाबले के जरिए लखनऊ के लिए अपना डेब्यू कर रहे हैं। इससे पहले वे मुंबई के लिए खेल चुके हैं।

जलते घर में घुसकर शाहदरा पुलिस ने 1 साल के बच्चे समेत तीन लोगों की बचाई जान, लपटों से घिर गया था परिवार

दिल्ली। शाहदरा जिले में दिल्ली पुलिस के जवानों ने बहादुरी दिखाते हुए एक जलते हुए मकान से एक साल के बच्चे समेत तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। गैस सिलिंडर में रिसाव से आग लगी थी। अजीत नगर इलाके की गली नंबर-नौ में एक घर में आग लगी थी। आग उस वक्त लगी जब महिला खाना बना रही थी। गैस सिलेंडर में लीकेज होने के कारण अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया और अंदर मौजूद परिवार फंस गया।

इसी दौरान इलाके में बीट पेट्रोलिंग कर रहे शाहदरा पुलिस के एएसआई कुलदीप, हेड कांस्टेबल राहुल, कांस्टेबल विपिन और कांस्टेबल सनी ने धुआं और लोगों की चीख-पुकार सुनी। बिना समय गंवाए पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और अपनी जान जोखिम में डालकर आग से घिरे मकान के अंदर दाखिल हो गए। पुलिस टीम ने पहली मंजिल पर फंसे तीन लोगों 34 वर्षीय अरशद अली, 28 वर्षीय अर्शाना और 1 वर्षीय म अरमान अली को सुरक्षित बाहर निकाला। आग और धुएं के बीच पुलिसकर्मियों की सूझबूझ और साहस से बड़ा हादसा टल गया।

पकौड़ी खाई, फिर 1000 के लिए रेता बहन-भांजे का गला; पुलिस मुठभेड़ में मौसेरा भाई गिरफ्तार

● दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी में मां-बेटे की हत्या के आरोपी सौरभ को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर काबू किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में मां और बेटे की सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कातिल को गिरफ्तार कर लिया। ये कोई और नहीं बल्कि मृतका शारदा का मौसेरा भाई है। जिसने बेरहमी से अपनी बहन और भांजे को मौत के घाट उतार दिया। वह वारदात के बाद से फरार था। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर चार राउंड फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर काबू किया। उसने 20 मई को गोविंदपुरी में शारदा और उनके बेटे की हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने वाला शारदा का मौसेरा भाई सौरभ है, जो संगम विहार में रहता है और साप्ताहिक बाजार में 'रेहड़ी' लगाने का काम करता है। आरोपी नशे का आदी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार सौरभ के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि घटना वाली रात सौरभ शारदा के घर पहुंचा था। शारदा ने उसे पकौड़ी बनाकर खिलाई थी। इसी दौरान आरोपी ने एक हजार रुपये मांगे। पैसे को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में सौरभ ने शारदा के बाल पकड़कर रसोई में रखे चाकू से उनका गला काट दिया। शोर सुनकर जब उनका बेटा किचन में पहुंचा तो आरोपी ने उस पर भी ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी घर में रखे करीब 10 लाख रुपये लेकर फरार हो गया था। मामले की जांच में जुटी दक्षिण-पूर्वी जिले की एंटी नारकोटिक्स टीम को सूचना मिली कि आरोपी घाटी पार्क इलाके में बैठा है और स्मैक पी रहा है। पुलिस टीम ने इलाके को घेराबंदी कर उसे सरेंडर करने को कहा, लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मार दी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

IPL 2026 में बिहार का डंका! ये 3 खिलाड़ी मचा रहे तबाही, अकेले पूरी टीम पर पड़ रहे भारी

● IPL 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव में पहुंच चुका है। प्लेऑफ की 3 टीम तय हो गई हैं और चौथे स्थान के लिए 3 ही टीमों के बीच जंग हो रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव में पहुंच चुका है। प्लेऑफ की 3 टीम तय हो गई हैं और चौथे स्थान के लिए 3 ही टीमों के बीच जंग हो रही है। 26 मई से प्लेऑफ के मुकाबले खेले जाएंगे और फाइनल 31 मई को होगा। आईपीएल में अलग-अलग राज्य के प्लेयर अपने प्रदर्शन का लोहा मनवा रहे हैं। 19वें सीजन में बिहारी प्लेयर्स का भी डंका बज रहा है। 3 खिलाड़ी गेंद और बल्ले से तबाही मचा रहे हैं। अगर इनका दिन रहता है तो यह मैच का रुख ही पलट देते हैं और अकेले विपक्षी टीम पर भारी पड़ते हैं। इन प्लेयर्स में पटना के ईशान किशन, समस्तीपुर के वैभव सूर्यवंशी और गोपालगंज के तेज गेंदबाज साकिब हुसैन शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी- पिछले सीजन में आईपीएल डेब्यू कर चर्चा में आने वाले वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में तबाही मचा रखी है। सामने जसप्रीत बुमराह हों, भुवनेश्वर कुमार या पैट कमिंस, वैभव हवाई फायर करने में किसी भी गेंदबाज के साथ कोई भेदभाव नहीं कर रहे हैं। मौजूदा सीजन में अब तक खेले 13 मैच की 13 पारियों में वैभव ने 44.54 की औसत और 236.33 की स्ट्राइक रेट से 579 रन बनाए हैं। IPL 2025 में 35 गेंदों पर शतक जड़कर इतिहास रचने वाले वैभव ने 19वें सीजन में 36 गेंदों पर सैंकड़े के आंकड़े को छुआ। वह अब तक 1 शतक के साथ ही 3 फिफ्टी भी ठोक चुके हैं।

ईशान किशन- अपनी कप्तानी में बिहार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाने वाले ईशान किशन ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और विश्व कप में ईशान ने जलवा बिखेरा। अब आईपीएल 2026 में ईशान छाए हुए हैं। शुरुआती कुछ मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने वाले ईशान ने मौजूदा सीजन में अब तक 569 रन बनाए हैं। अब तक खेले 14 मैच में उनकी औसत 40.64 की और स्ट्राइक रेट 178.37 की रही है। ईशान 19वें सीजन में अब तक 6 फिफ्टी जड़ चुके हैं।

साकिब हुसैन- तेज गेंदबाज साकिब हुसैन ने अपनी रफ्तार से सभी को प्रभावित किया है। शुक्रवार को आरसीबी के खिलाफ मैच में साकिब ने विराट कोहली की पारी का अंत किया। यह उनके लिए किसी सपने के साकार होने जैसा था। मौजूदा सीजन में साकिब ने अब तक 10 मैच खेले हैं और 15 विकेट चटकाए हैं। अहम बात यह है कि उन्होंने इस सीजन खेले सभी मैच में कम से कम 1 विकेट तो लिया ही है। वह आईपीएल इतिहास में अपने डेब्यू के बाद से लगातार पहले 10 मैचों में विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं।